की निर्माण लागत, उत्पादन लागत और कर्मकारों की संख्या क्या-क्या नियत की गई थी और परियोजना के वर्तमान चरण में इन मदों की वास्तविक स्थिति क्या है ?

लिशोन और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा महानगर विकास, परमाणु ऊर्जा, इलेक्ट्रानिकी और अंतरिक्ष विभागों में राज्य मंत्री (श्री के. आर. नारायणन) : (क) जी, हां।

(ख) परियोजना की लागत में वृद्धि होने के मुख्य कारण हैं—सांविधिक महसूलों और शुल्कों में वृद्धि होना, विनिमय दर में परिवर्तन होना तथा बाह्य बाधाओं के कारण परियोजना को चालू करने में हुई देरी।

संयंत्र की क्षमता का उपयोग अधिकांशतः निम्नलिखित पर निर्भर करता है—

(i) इस संयंत्र से जुड़े उर्वरक संयंत्र से अपेक्षित मात्रा में और अपेक्षित कोटि की निवेश सामग्री लगातार निर्बाध रूप से मिलती रहे, और (ii) ग्रिड से बिजली सप्लाई बिना किसी बाधा के मिलती रहे। संयंत्र लगातार काम कर रहा है तथा पिछले कई वर्षों में जो उत्पादन हुआ है वह बाह्य निवेशों के अनुरूप रहा है।

मैसर्स ग्रैलप्रा के साथ हुई संविदा में कर्मचारियों की जो संख्या बताई गई है वह केवल संयंत्र के उस भाग के लिए आवश्यक प्रचालन कर्मचारियों की है जो इस कम्पनी ने सप्लाई करना था। उस संविदा के अन्तर्गत संयंत्र के अन्य यूनिटों के लिए आवश्यक कर्मचारियों की संख्या, जिसमें सहायक और प्रशासनिक कर्मचारी भी शामिल है, नहीं बताई गई है।

(ग) परियोजना की पूरी लागत 3737 लाख रुपये है। चूंकि भारी पानी एक महत्वपूर्ण पदार्थ है, अतः इसकी उत्पादन लागत बताना राष्ट्र हित में नहीं है। मुख्य संयंत्र का रात-दिन चालन करने के लिए लगभग 40 कर्मचारी हैं तथा कुल कर्मचारी 455 हैं जिन अन्य यूनिटों को रात-दिन चलाने के लिये आवश्यकताओं और कर्मचारी, रखरखाव करने वाले कर्मचारी तथा अन्य आवश्यकताओं और प्रशासनिक कामकाज से संबंधित कर्मचारी भी शामिल हैं।

Health problem arising from IREP

2044. SHRI RAM AWADHESH SINGH: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there have been genuine fears of health problems arising from Indian Rare Earth Plant (IREP) in Kerala due to thorium-rich monozite sands;

(b) whether similar problems have arisen in Malaysia; and

(c) whether the IREP has been set up largely to provide material for red colouring of televisions from the USA and for components of laser technology for star wars?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF OCEAN DEVELOPMENT, ATOMIC ENERGY, ELECTRONICS AND SPACE (SHRI K. R. NARAYANAN): (a) Even though there are some reports of fear of health problems arising from Indian Rare Earths Limited in Kerala, the expert committee appointed by the Government to study these aspects has concluded that there is no scientific basis for such fears.

(b) It is undestood that there is some court case going on in Malaysia in respect of Monazite processing plant in Malaysia. However, this department has no knowledge or information regarding the same.

(c) Indian Rare Earths Limited have been exporting Rare Earths to USA, Europe and Japan. The main use of this material is in manufacture of petroleum catalyst.

However various other applications including phosphors for colour TV and use in Laser technology are also known.

Irradiation of Food

2045. DR. G. VIJAYA MOHAN REDDY: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government are aware that food irradiation is known to cause stinulation and rapid division of fungi which produce aflatoxins some of which are potent carcinogens which are 1000 times more carcinogenic than EDB, another pesticide; and

(b) if so, whether there is any proposal to revise the present stand on irradiation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF OCEAN DEVELOPMENT, ATOMIC ENERGY, ELECTRONICS AND SPACE (SHRI K R. NARAYANAN): (a) There is no evidence to conclude that food irradiated and stored under normal storage practices would show increased aflatoxin production.

(b) There is no need to revise the present stand on food irradiation.

भारत में प्रति व्यक्ति आय

2046. **श्री शरद यादव** : क्या **योजना** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रति व्यक्ति वर्तमान आय कितनी है ;

(ख) विश्व की तुलना में हमारे देश में प्रति व्यक्ति आय कितनी है ; और

(ग) प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने के लिये सरकार द्वारा क्या प्रयास किये गये हैं ?

योजना मंत्री तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री (श्री माधव सिंह सोलंकी) : (क) केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन द्वारा जारी किये गये तुरन्त आकलनों के अनुसार वर्ष 1986–87 के लिये (चालू कीमतों पर) उत्पादन लागत पर प्रति निवल राष्ट्रीय उत्पाद (प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय) 2974.5 रुपये थी । ये नवीनतम उपलब्ध आंकलन है ?

(ख) संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1988 प्रकाशित प्रलेख, "नेशनल एकाउन्टस स्टेस्टिक्स : एनेलिसिस आफ मेन एग्रीमेंटस 1985" में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पादन निवल सामग्री उत्पाद के जो आंकलन हैं वे समूचे विश्व के लिये अमेरिकी डालरों में है । नवीनतम आकड़े वर्ष 1985 के लिये उपलब्ध है । इस प्रकाशन के अनुसार अमेरिकी डालरों में विश्व की प्रति व्यक्ति आय 2570 डालर है (लगभग 31431 रु.) । इसी वर्ष में भारत के लिये ये आंकड़े 2721 रुपये है ।

(ग) सातवीं पंचवर्षीय योजना में घरेलू उत्पादों में (उत्पादन लागत पर) 5.0 प्रतिशत वार्षिक की संवृद्धि का लक्ष्य है । सातवीं योजना के संवृद्धि लक्ष्य प्राप्त हो जाने पर प्रतिव्यक्ति आय बढ़ेगी और कृषि तथा उद्योग दोनों में विकास और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि की गति बढ़ेगी । योजना में विद्यमान सिचाई क्षमता के पूर्ण उपयोग और मानव साधनों के विकाससे सबधित अवसरचना के समुन्नत कार्य करने पर भी जोर दिया गया है । योजना में इन क्षेत्रकों की निवेश आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान दिया गया है ताकि महत्व आदानों की कमी मे अर्थव्यवस्था की संवृद्धि प्रभावित न हो सके ।

Soldiers withdrawn from Sri Lanka

2047. SHRI ALADI ARUNA *alias* V. ARUNACHALAM: Will the Minister of DEFENCE be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 312 given in the Rajya Sabha on the 28th July, 1988 and state the number of IPKF soldiers withdrawn from Sri Lanka so far?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF DEFENCE PRODUCTION AND SUPPLIES IN THE